**CBSE Class–3 Hindi**

**NCERT Solutions**

रिमझिम पाठ- 13. मिर्च का मज़ा

**कैसे समझाओगे?**

**प्रश्न- काबुली वाले को सब्जी बेचने वाली की भाषा अच्छी तरह समझ नहीं आती थी| इसलिए उसे अपनी बात समझाने में बड़ी मुश्किल हुई| चलो, देखते हैं तुम अपनी बात बिना बोले अपने साथी को कैसे समझाते हो? नीचे लिखे वाक्य अलग-अलग पर्चियों में लिख लो| एक पर्ची उठाओ| अब यह बात अपने साथी को बिना कुछ बोले समझानी है-**

*** मुझे बहुत सर्दी लग रही है|**

*** बिल्ली दूध पी रही है, उसे भगाओ|**

*** मेरे दाँत में दर्द है|**

*** चलो, बाजार चलते हैं|**

*** अरे, ये तो बहुत कड़वा है|**

*** चोर उधर गया है, चलो से पकड़ें|**

*** पार्क में चल कर खेलेंगे|**

*** मुझे डर लग रहा है|**

*** उफ़ ये बदबू कहाँ से आ रही है|**

*** अहा! लगता है कहीं हलवा बना है|**

**उत्तर-** छात्र स्वयं करें|

**सही सवाल**

**प्रश्न- काबुलीवाले ने कहा- अगर यह लाल चीज़ खाने की है, तो मुझे भी दे दो| उस सब्जी बेचने वाली ने कहा- हाँ, ये तो सब खाते हैं| ले लो|**

**इस तरह बेचारा काबुलीवाला मिर्च खा बैठा| तुम्हारे हिसाब से काबुली वाले को मिर्च देखने के बाद क्या पूछने चाहिए था?**

**उत्तर-** काबुलीवाले को मिर्च देखने के बाद यह पूछना चाहिए था कि क्या यह कोई मौसमी फल है|

**जल या जल**

**मुँह सारा <u>जल</u> उठा और आँखों में <u>जल</u> भर आया|**

**यहाँ <u>जल</u> शब्द को दो अर्थों में इस्तेमाल किया गया है|**

**जल - जलना, तीखा|**

**जल - पानी|**

**इसी तरह नीचे दिए गए शब्दों के भी दो अर्थ है|**

**इन शब्दों का इस्तेमाल करते हुए एक - एक वाक्य बनाओ पर ध्यान रहे-**
*** वाक्य में वह शब्द दो बार आना चाहिए|**
*** दोनों बार उस शब्द का मतलब अलग निकलना चाहिए| (जैसे ऊपर दिए गए वाक्य में जल)**
* **हार** - उसने हार कर भी अपने गले में हार डलवाया|
* **आना** - पहले चव्वनी में चार आना होता था, मगर अब अंदर मत आना
* **उत्तर** - सूर्य उत्तर में निकलता है और तुम्हारा उत्तर सही नहीं था|
* **फल** - फल चुराना अच्छी बात नहीं है, मेहनत का फल अच्छा होता है|
* **मगर** - नदी में मगर है, मगर तुम उससे बचकर रहना|
* **पर** - पर वह यहाँ नहीं आया, पक्षियों के पर नहीं काटने चाहिए|

---

**छाँटो**
**प्रश्न- कविता की वे पंक्तियां छाँटकर लिखो जिनसे पता चलता है कि**
***काबुलीवाला कुछ शब्द अलग तरीके से बोलता था|**
**उत्तर-** कुँजड़िन उन से बोला बेचारा ज्यों-त्यों समझाकर|

*** काबुलीवाला कंजूस था|**
**उत्तर-** जा तू अपनी राह सिपाही, मैं खाता हूँ पैसा!

***मिर्च बहुत तीखी थी|**
**उत्तर-** मगर, मिर्च ने तुरंत जीभ पर अपना ज़ोर दिखाया|
मुँह सारा जल उठा और आँखों में जल भर आया|

***काबुलीवाले को मिर्च के बारे में नहीं पता था|**
**उत्तर-** लाल-लाल पतली छीमी हो चीज़ अगर खाने की|

***काबुलीवाले को 25 पैसे की मिर्च चाहिए थी|**
**उत्तर-** तो हमको दो तोल छीमियाँ फ़फत चार आने की|

---

**चार आना**
***चव्वनी मतलब चार आना**
**चार आना मतलब 25 पैसे |**
**तो एक रूपए में कितने पैसे?**
**उत्तर-** एक रूपए में 100 पैसे|

---

**अब बताओ-**
**अठन्नी मतलब <u>आठ</u> आने|**
**इकन्नी मतलब <u>एक</u> आना|**
**दुअन्नी मतलब <u>दो</u> आने|**
**तुम कैसे पूछोगे?**

**प्रश्न- तुम बाज़ार गए| दुकानों में बहुत-सी चीज़ें रखी हैं| तुम्हें दूर से ही अपनी मनपसंद चीज़ का दाम पता करना है, पर तुम्हें उस चीज़ का नाम नहीं पता| अब दुकानदार से दाम कैसे पूछोगे?**

**उत्तर-** हम चीज़ की और इशारा करते हुए पूछेंगे कि यह क्या है? किस काम आती है और कितने की है?

---

**बातचीत के लिए**
**प्रश्न 1. काबुलीवाले ने लिर्च को स्वादिष्ट फल क्यों समझ लिया?**
**उत्तर-** काबुलीवाले ने इससे पहले लाल मिर्च नहीं देखी थी, इसलिए लाल-लाल पतली फलियों को स्वादिष्ट फल समझ लिया|

**प्रश्न 2. सब्जी बेचने वाली ने क्या सोचकर उसे झोली भर मिर्च दी होंगी?**
**उत्तर-** सब्ज़ी बेचने वाली ने सोचा होगा कि इसे घर पर लाल-लाल मिर्च की ज़रूरत होगी, इसलिए उसने काबुलीवाले को झोली मिर्च भर दी होगीं|

**प्रश्न 3. सारी मिर्च खाने के बाद काबुलीवाले की क्या हालत हुई होगी?**
**उत्तर-** सारी मिर्च खाने के बाद काबुलीवाले की हालत बहुत ख़राब हो गई होगी| वह सी-सी करता तथा आँखों में पानी पोंछता हुआ परेशान हो रहा होगा|

**प्रश्न 4. अगले दिन सब्ज़ी वाली टमाटर बेच रही थी| क्या काबुलीवाले ने टमाटर खाया होगा?**
**उत्तर-** काबुलीवाले ने टमाटर बेचने वाली से टमाटर लेकर नहीं खाए होंगे क्योंकि दूध का जला छाछ भी फूँककर पीता हैं|

---

**आगे-पीछे**
**कुँजड़िन से बोला बेचारा ज्यों-त्यों कुछ समझकर**

**इस पंक्ति को ऐसे भी लिख सकते हैं-**
**बेचारा ज्यों-त्यों कुछ समझाकर कुँजड़िन से बोला|**
**अब इसी पंक्तियों को फिर से लिखो-**
*** हमको दो तोल छीमियाँ फ़कत चार आने की|**
**उत्तर-** हमको फ़कत चार आने की तोल दो छीमियाँ|

*** वह खाता ही रहा मिर्च की छीमी को सिसियाते|**
**उत्तर-** मिर्च की छीमी को सिसियाते वह खाता रहा|

***जा तु अपनी राह सिपाही, ,मैं कहता हूँ पैसा|**
**उत्तर-** मैं खाता हूँ पैसा जा हूँ अपनी राह सिपाही|

***एक काबुलीवाले की कहते हैं लोग कहानी|**
**उत्तर-** लोग कहानी एक काबुलीवाले की कहते हैं|

**कविता करो**
**अपने मन से बना कर एक कवित यहाँ लिखो|**
कले बदल उजले बादल, टुकड़े - टुकड़े बिखरे बादल,
वर्षा ऋतु में करते रहते तरह - तरह के नखरे बादल|
कभी धार बरसाते हैं तो, कभी - कभी तरसाते बादल,
नीले और कुछ काले-काले, मनमोहक भाते बादल|

---

**मुँह में पानी**
**प्रश्न- लाल-लाल मिर्च देखकर काबुलीवाले के मुँह में पानी आ गया तुम्हारे मुँह में किन चीजों को देख कर या सोचकर पानी आ जाता है?**
**उत्तर-** पीले-पीले आमों को
नए-नए कपड़े को
रसगुल्लों को
केक को
चाकलेट को
कोका-कोला को
पिज़्ज़ा को